दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 10 सितम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक- 341

पूरी तरह सुरक्षित है विक्रम लैंडर, संपर्क साधने की कोशिशें जारीः इसरो

बेंगलुरु (आरएनएस)। चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। इसरो के मुताबिक विक्रम लैंडर पूरी तरह सुरक्षित है। इसरो के अधिकारी ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर हार्ड लैंडिंग करने के बावजूद लैंडर विक्रम में कोई टूट-फूट नहीं हुई है। हम लैंडर के साथ संचार को फिर से स्थापित करने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। ऑर्बिटर द्वारा भेजे गए चित्र के अनुसार, यह एक ही टुकड़े के रूप में दिखाई दे रहा है।

इसरो वैज्ञानिकों का कहना है कि लैंडर विक्रम एक तरफ झुका दिखाई दे रहा है, ऐसे में कम्युनिकेशन लिंक वापस जोड़ने के लिए यह बेहद जरूरी है कि लैंडर का ऐंटीना ऑर्बिटर या ग्राउंड स्टेशन की दिशा में हो। हमने इससे पहले जियोस्टेशनरी ऑर्बिट में गुम हो चुके स्पेस क्रॉफ्ट का पता लगाया है, लेकिन यह उससे काफी अलग है।

चंद्रमा पर लैंडिंग के दौरान सतह से केवल 2.1 किमी ऊपर लैंडर विक्रम से इसरो का संपर्क टूट गया था, जिससे वह रास्ता भटककर अपनी निर्धारित जगह से लगभग 500 मीटर की दूरी पर चंद्रमा की सतह से टकरा गया था। इसके बाद चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने रविवार को लैंडर विक्रम की थर्मल इमेज इसरो को भेजी थी।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगर विक्रम से संपर्क स्थापित हो जाता है तो प्रज्ञान दोबारा अपने पैरों पर खड़ा हो जाएगा। इसके लिए इसरो टीम इसरो टेलिमेट्री ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क में लगातार काम कर रही है। विक्रम में ऑबोर्ड कम्प्यूटर सिस्टम लगा हुआ है जिससे कमांड मिलने पर वह अपने थस्टर्स के जरिए अपने पैरों पर दोबारा खड़ा हो सकता है। लैंडर के चंद्रमा की सतह पर गिरने से उसका एंटीना दब गया है। इसलिए इसरो की टीम को संपर्क स्थापित करने में कठिनाई हो रही है।

हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में भूकंप से हिली धरती

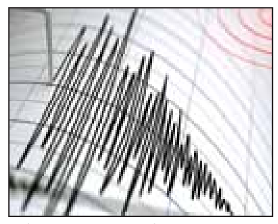

शिमला (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप में किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं मिली है। जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिलों, हिमाचल प्रदेश के चंबा में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। लोगों के चेहरे पर डर मंडरा रहा था। भूकंप के झटके खत्म होने के बाद भी लोग अपने घरों में जाने से डर रहे थे। बताया जा रहा है कि हिमाचल प्रदेश के पांगी, चंबा व कांगड़ा सहित लाहुल-स्पीति जिले में भी लोगों को भूकंप के झटके महसूस हुए। डोडा के एसएसपी मुमताज अहमद के अनुसार, भूकंप सुबह 8.04 मिनट के आसपास आया। इसके झटके कुछ सेकेंड तक महसूस किए गए। झटके लगते ही भद्रवाह, डोडा और किश्तवाड़ में लोग घरों से बाहर निकल आए।

चन्द्रयान-2

एलओसी पर सेना का सख्त ऐक्शन, आतंक का ठिकाना बनी पाकिस्तानी पोस्ट को किया तबाह

जम्मू। पाकिस्तान की ओर से एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन करने के बाद भारतीय जवानों ने एक बार फिर जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी सेना की एक पोस्ट को तबाह कर दिया है। भारतीय सेना ने एलओसी के पास स्थित लीपा वैली के इलाके में स्थित पाकिस्तानी सेना की एक पोस्ट को तबाह कर दिया है। सैन्य सूत्रों के अनुसार, लीपा वैली के पास स्थित पांडु इलाके में बनी इस पोस्ट से ना सिर्फ सीजफायर उल्लंघन की घटनाओं को अंजाम दिया जाता था, बल्कि इसका इस्तेमाल आतंकी घुसपैठ के लिए लॉन्चपैड के रूप में भी होता था। बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से पाकिस्तान की ओर से इन पोस्टों की मदद से लीपा वैली से सटे भारतीय इलाकों में भारी गोलाबारी की जा रही थी। पाकिस्तान की ओर से लीपा वैली के रिहाइशी इलाकों और सेना की फॉरवर्ड पोस्टों पर गोलाबारी की जा रही थी। सैन्य सूत्रों के अनुसार, गोलाबारी की आड़ में पाकिस्तान ने इन इलाकों से आतंकी घुसपैठ की साजिश भी रची थी। इसी बीच भारतीय जवानों ने नियंत्रण रेखा पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पांडु इलाके में बनी पाकिस्तानी पोस्ट को तबाह कर दिया।

रूस,अमेरिका वियना में करेंगे आतंकवाद के मुद्दे पर वार्ता

मॉस्को । रूस और अमेरिका सोमवार को वियना में आतंकवाद का मुकाबला करने के मुद्दे पर अगले दौर की बातचीत करेंगे। रूसी सरकार की ओर से इस वार्ता में उप विदेश मंत्री ओलेग सिरोमोलोतोव भाग लेंगे जबकि अमेरिका का प्रतिनिधित्व उप विदेश मंत्री जॉन सुलिवन करेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार दोनों देशों के राजनयिक संयुक्त राष्ट्र में विदेशी आतंकवाद, आतंकवादी वित्तपोषण, विमानन सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खतरे सहित विभिन्न मसलों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। रूस और अमेरिका नियमित रूप से आतंकवाद के मुद्दे पर चर्चा करते रहते हैं। मौजूदा बातचीत के बाद दोनों देश दिसंबर में फिर से एक बार इस मसले पर ऑस्ट्रियाई राजधानी में आयोजित बैठक में विचार-विमर्श करेंगे।

बुर्कीना फासो में 2 हमलों में 29 लोगों की मौत

बुर्किना फासो। पश्चिम अफ्रीका का 'लैंडलॉक' देश उत्तरी बुर्किना फासो में दो अलग-अलग आतंकवादी हमले में कम से कम 29 आम नागरिक मारे गए हैं। स्थानीय मीडिया सोमवार को बताया कि आतंकवादियों ने यह हमला रविवार की रात को की। पहली घटना में आतंकवादियों द्वारा किये गए कार बम विस्फोट में पांच लोग मारे गये तथा छह अन्य लोग घायल हो गई जबकि दूसरी घटना में खाद्य पदार्थों को लेकर जा रहे कुछ मोटरसाइकिल सवारों पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की जिसमें 14 से अधिक लोग मारे गये। यह घटना पहली घटना वाली जगह से लगभग 50 किलोमीटर दूर घटी। स्थानीय मीडिया बुर्किना 24 की रिपोर्ट के अनुसार इन नृशंस हत्याओं के बाद परिवहन सुरक्षा को सुनिश्चित कराने के लिए सभी जरूरी कदम को उठाने का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि बुर्किना फासो अंसारूल इस्लाम तथा उसके समर्थक समूह इस्लाम एंड मुस्लिम्स के आतंकवादियों के कारण सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है।

मोरक्को में सड़क हादसा, 14 की मौत, 29 घायल

राबत। मोरक्को के पूर्वी प्रांत इर्राचिडिया में यात्री बस के पलटने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गयी है तथा 29 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को बताया गया कि उक्त बस रविवार को एक पुल पर पलट गयी। आशंका जतायी जा रही है कि यह दुर्घटना बाढ़ के कारण हुई होगी। 2एम चैनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अभी तक हताहतों की वास्तविक संख्या के बारे में जानकारी नहीं मिल पायी है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एम्स में भर्ती करवाए गए भाकपा नेता तारिगामी

» जेएंडके में थे नजरबंद

नईदिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में नजरबंद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी की हालत ज्यादा बिगड़ गई है। इसी के चलते उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती करवा दिया गया है। आज सुबह उन्हें दिल्ली लाया गया, जहां से उन्हें एम्स में भर्ती करा दिया गया। तारिगामी को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एम्स में शिफ्ट किया गया है।

कोर्ट ने पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को ही कहा था कि श्रीनगर से दिल्ली लाकर जल्द से जल्द बीमार मोहम्मद यूसुफ तारिगामी को एम्स में भर्ती कराया जाए। 5 अगस्त को अनुच्छेद-370 हटाने के विरोध में प्रदर्शन करने पर उन्हें श्रीनगर में नजरबंद किया गया था। दरअसल माकपा नेता सीताराम येचुरी ने पीठ को बताया था कि अगर तारिगामी को बेहतर इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। येचुरी ने शीर्ष अदालत से कहा, हम बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में पूर्व विधायक की नजरबंदी को चुनौती देने के अपने अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं। न्यायालय ने इससे पहले येचुरी को अपनी पार्टी के बीमार चल रहे सहयोगी तारिगामी से मिलने के लिए जम्मू-कश्मीर जाने की अनुमति दी थी।

किसी अधिकारी ने कुछ गलत नहीं किया, किसी की गिफ्तारी नहीं होः चिदंबरम

» आईएनएक्स मीडिया केस

नईदिल्ली (आरएनएस)। आईएनएक्स मीडिया केस में जांच एजेंसियों के शिकंजे में फंसे पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम इन दिनों तिहाड़ जेल में बंद हैं. चिदंबरम नहीं चाहते हैं कि इस केस में शामिल किसी भी अधिकारी को गिरफ्तार किया जाए. पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता का कहना है कि आईएनएक्स मामले में किसी भी अधिकारी की गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि किसी ने कुछ गलत नहीं किया है. चिदंबरम के हवाले ने उनके परिवार ने उनके आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ये जानकारी दी. चिदंबरम 19 सितंबर तक तिहाड़ जेल में रहेंगे.

चिदंबरम की तरफ से ट्विटर पर लिखा गया, मुझसे लोग पूछते हैं कि आईएनएक्स मीडिया केस में कई अधिकारी लिप्त थे. लेकिन, उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया. फिर आपको ही क्योंकि गिरफ्तार किया गया? क्योंकि डॉक्युमेंट्स में आखिरी सिग्नेचर आपके थे? लोगों के इन सवालों का मेरे पास कोई जवाब नहीं है.

एक दूसरा ट्वीट किया गया, किसी भी अधिकारी ने कुछ भी गलत नहीं किया है. मैं नहीं चाहता कि कोई भी अधिकारी गिरफ्तार किया जाए.

बता दें कि पी. चिदंबरम को तिहाड़ की जेल नंबर 7 में रखा गया है. यहां वह विचाराधीन कैदी नंबर-1449 हैं. जेल नंबर-7 में वैसे तो 350 कैदियों को रखने की क्षमता है, लेकिन यहां करीब 650 कैदी बंद हैं. इनमें विचाराधीन और सजायाफ्ता दोनों ही तरह के कैदी शामिल हैं. जेल में बदबू की वजह कैदियों की बढ़ती भीड़ और गंदगी भी हो सकती है. हालांकि, चिदंबरम ने अभी तक जेल प्रशासन से ऐसी बदबू की शिकायत नहीं की है.

सोनिया ने कमलनाथ, सिंधिया को दिल्ली बुलाया

नईदिल्ली (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री कमलनाथ और कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों के बीच प्रदेश में पार्टी के नए अध्यक्ष को लेकर चल रहे विवाद के सार्वजनिक होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दोनों नेताओं को मंगलवार और बुधवार को बैठक के लिए दिल्ली बुलाया है। हालांकि, किसी अनचाही स्थिति को रोकने के लिए सोनिया ने दोनों नेताओं को अलग-अलग बुलाया है। जहां सिंधिया को मंगलवार को बुलाया गया है, वहीं कमलनाथ सोनिया से इसके अगले दिन मिलेंगे। सोनिया गांधी मध्य प्रदेश में पार्टी का ऐसा प्रदेश अध्यक्ष चाहती हैं जिसे कमलनाथ और सिंधिया, दोनों का समर्थन प्राप्त हो, जो फिलहाल असंभव दिख रहा है। मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी कुछ समय पहले शुरू हुई। सिंधिया के समर्थक खुल कर सामने आ रहे हैं। सबसे पहले दतिया जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी ने चेतावनी दी कि अगर सिंधिया को कांग्रेस प्रदेश कमेटी का अध्यक्ष नहीं बनाया गया तो वे इस्तीफा दे देंगे, उनके बाद मुरेना जिला के कांग्रेस अध्यक्ष राकेश मवाई भी उनके समर्थन में आ गए।

दांगी ने कहा कि, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कुछ नेता सिंधिया की लोकप्रियता नहीं पचा पा रहे हैं और उन्हें मध्य प्रदेश से बाहर रखने की साजिश रच रहे हैं। कई लोग मानते हैं कि यह सब सिंधिया की सहमति से हुआ। सिंधिया खुद रेस में हैं। हालांकि उन्होंने यह खुद नहीं कहा है लेकिन उनके समर्थकों ने इसकी मांग करने वाले पोस्टर लगवा दिए हैं। हालांकि, प्रदेश की राजनीति में एक अन्य केंद्र दिग्विजय सिंह सिंधिया को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के विरोध में हैं, जिससे कमलनाथ का काम आसान हो रहा है। सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री एक आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहते हैं, जिससे सिंधिया के प्रदेश अध्यक्ष बनने के आसार अपने आप खत्म हो जाते हैं। सोनिया के पार्टी का अंतरिम प्रमुख बनने के बाद कमलनाथ उनसे पहली बार नहीं मिल रहे हैं।

मोदी की ट्विटर पर हुए पांच करोड़ प्रशंसक

» लोकप्रियता नई बुलंदियों पर

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माइक्रोब्लागिंग साइट ट्विटर पर लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और उनके प्रशंसकों की संख्या पांच करोड़ पर पहुंच गई है। मोदी जनवरी 2009 में ट्विटर से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री के ट्विटर हैंडल के अनुसार उनके प्रशंसकों की संख्या पांच करोड़ पर पहुंच गई है। ट्विटर पर प्रशंसकों के मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके अभी भी काफी आगे हैं। ट्रंप के ट्विटर पर प्रशंसकों की संख्या छह करोड़ 41 लाख है। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के ट्विटर पर प्रशंसक तीन करोड़ 84 लाख हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के ट्विटर फोलोवर्स एक करोड़ 52 लाख हैं। शाह मई 2013 में ट्विटर से जुड़े हुए हैं। मोदी की तुलना में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के ट्विटर पर प्रशंसकों की संख्या काफी कम है। वायनाड से सांसद गांधी के ट्विटर प्रशंसक एक करोड छह लाख हैं। गांधी अप्रैल 2015 से ट्विटर पर सक्रिय हैं।

ब्रिटिश एयरवेज की 1500 उड़ानें रद्द, 3 लाख लोगों पर असर

» हड़ताल पर पायलट

मॉस्को। विमानन कंपनी ब्रिटिश एयरवेज के पायलटों की सोमवार और मंगलवार को निर्धारित हड़ताल की वजह से कंपनी ने अब तक 1500 उड़ाने रद्द कर दी है। स्पूतनिक ने टेलीग्राफ अखबार के हवाले से बताया कि हड़ताल का 2 लाख 80 हज़ार लोगों पर प्रभाव पड़ा है तथा इससे 98 मिलियन डॉलर का नुक्सान हुआ है। इस कारण न्यूयॉर्क, दिल्ली, हॉन्गकॉन्ग और जोहानेसबर्ग की सभी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। ब्रिटिश एयरलाइन पाइलट असोसिएशन ने 23 अगस्त को वेतन और भत्तों में कटौती पर विवाद को लेकर 9 और 10 सितंबर को हड़ताल पर जाने का फैसला किया था। कंपनी ने उड़ान रद्द होने की स्थिति में सभी यात्रियों से घर रहने का अनुरोध किया है।

23 अगस्त को हड़ताल की घोषणा की गई थी- वेतन और भत्तों में कटौती के विवादों के बाद ब्रिटिश एयरलाइन पायलट एसोसिएशन (बीएएलपीए) ने 23 अगस्त को हड़ताल की घोषणा की थी। इसमें कहा गया था कि 9 और 10 सितंबर को पायलट हड़ताल पर रहेंगे। बीएएलपीए ने एयरलाइन के व्यवहार को गैर-जिम्मेदराना बताया। वहीं, रूस के विदेश मंत्रालय ने भी हड़ताल और उड़ानों के रद्द होने के बाद अपने नागरिकों को सचेत किया है।

शांति वार्ता रद्द करने के बाद तालिबान की अमेरिका को धमकी

» कहा-अब ज्यादा अमेरिकी मरेंगे

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अफगान शांति वार्ता रद करने के फैसले के तालिबान ने अमेरिका को धमकी दी है। तालिबान ने कहा कि इससे और अमेरिकियों की जान जाएगी। गौरतलब है कि ट्रंप ने शनिवार को इस वार्ता को रद करने का फैसला लिया था। उनके द्वारा ये फैसला काबुल कार बम बलास्ट की वजह से लिया गया था, जिसकी जिम्मेदारी तालिबान ने ली थी। इस ब्लास्ट में एक अमेरिकी सैनिक समेत 12 लोगों की मौत हो गई थी।

तालिबान की तरफ से रविवार देर रात एक बयान जारी किया गया, जिसमें अमेरिका को सीधी चेतावनी दी गई है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि जिस वक्त डोनाल्ड ट्रंप हमले की दुहाई दे रहे हैं, उसी वक्त अमेरिकी सेना भी अफगानिस्तान में लगातार बम बरसा रही है।

तालिबान का कहना है कि अमेरिका के लिए ये भारी पड़ने वाला है। इससे अमेरिका की छवि पर असर होगा, लोगों की जान जाएगी और शांति भंग होगी। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप और तालिबान के बड़े नेताओं के बीच ये बैठक कैंप डेविड में होने थी, जहां अक्सर अमेरिकी राष्ट्रपति बड़ी और अहम बैठकें करते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने कहा था कि जबतक हमें इस बात पर भरोसा नहीं होता है कि अफगानिस्तान में सबकुछ ठीक है, हम अपने सैनिक नहीं वापस बुलाएंगे।

एक इंटरव्यू के दौरान जब माइक पॉम्पियो से पूछा गया कि क्या अफगानिस्तान से शांति वार्ता खत्म हो गई है, तो उन्होंने कहा कि हां, अभी के लिए तो हो गई हैं। दोनों देशों के बीच होने वाले शांति समझौते के तहत अमेरिका को अगले कुछ हफ्तों में 5400 सैनिकों को वापस बुलाने वाला था। हालांकि अब ये कुछ समय के लिए रद्द हो गया है।

अफगानिस्तान और अमेरिका के बीच करीब बीते दो दशक से जंग चल रही है जिसे अब धीरे-धीरे शांति की ओर ले जाया जा रहा है। अमेरिका की ओर से ये कोशिश इसलिए भी तेज थी क्योंकि इसी महीने अफगानिस्तान में राष्ट्रपति का चुनाव भी होना है।